भारत का प्रस्तावित पोत निर्माण मिशन

प्रिलिम्स के लिये:

पोत निर्माण मिशन, पोत जीर्णोद्धार और पुनर्चक्रण मिशन, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री विवाद समाधान केंद्र, वधावन पत्तन, गैलेथिया खाड़ी, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IMEC), चाबहार पत्तन, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC), मुंद्रा पत्तन, समुद्री भारत विज़न 2030

मेन्स के लिये:

भारत की अर्थव्यवस्था के लिये पत्तन आधारिक संरचना का महत्त्व।

स्रोत: एलएम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री** मेक इन इंडिया पहल से प्रेरित होकर वर्ष 2047 तक एक सुदृढ़ **वैश्विक पोत निर्माण उद्योग** के निर्माण हेतु एक पोत निर्माण मिशन निर्मित कर रहे हैं।

- सरकार भारत को शीर्ष समुद्री शक्तियों में सम्मिलित करने के लिये एक **व्यापक रणनीति** निर्मित कर रही है।

प्रस्तावित पोत निर्माण मिशन की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **वैश्विक बाज़ार स्थिति:** सरकार वर्ष **2047** तक भारत को शीर्ष **पोत निर्माण उद्योग और** वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है।
  - वर्तमान में पोत परिवहन से संबंधित गतिविधियों में भारत की वैश्विक बाज़ार हिस्सेदारी **1% से भी कम है।**
- **व्यापक रणनीति:** मिशन ने कार्रवाई के लिये **बारह क्षेत्रों की पहचान की है,** जिनमें **वित्तपोषण, बीमा,** पोत स्वामित्व और पट्टे, अधिकार पत्र, पोत निर्माण, **पोत जीर्णोद्धार, पोत पुनर्चक्रण,** प्रस्तरमार्ग और पंजीकरण, संचालन, तकनीकी प्रबंधन, स्टाफिंग और चालक दल एवं **मध्यस्थता** शामिल हैं।
- **पोत निर्माण पार्कों का विकास:** इसका उद्देश्य भारत के दोनों तटों पर **बड़े पोत निर्माण पार्क स्थापित करना** है। सरकार ने विदेशी निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिये **दक्षिण कोरिया और जापान को आमंत्रित किया है।**
  - **इन्हें महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और गुजरात** में स्थापित किया जाएगा।
- **वर्तमान व्यापार गतिशीलता में परिवर्तन: वर्तमान में, भारत** का लगभग 95% व्यापार विदेशी पोतों पर निर्भर करता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष **110 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बहिर्वाह** होता है। इस पहल का उद्देश्य इस गतिशीलता को महत्त्वपूर्ण रूप से परिवर्तित करना है।
- **समुद्री विकास कोष:** सरकार समुद्री पहलों के लिये दीर्घकालिक वित्तपोषण प्रदान करने हेतु लगभग **25,000 करोड़ रुपये** की धनराशि के साथ **समुद्री विकास कोष स्थापित करने की योजना बना रही है।**
  - इसे राष्ट्रीय अवसंरचना एवं विकास वित्त पोषण बैंक (NaBFID) की तर्ज पर स्थापित किया जा सकता है।
- **संबद्ध मिशन:** इस केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप दो और मिशन शीघ्र ही आरंभ किये जाने हैं।
  - **क्रूज़ इंडिया मिशन: यह** पोत अवसंरचना को संवर्द्धित करेगा और बड़े क्रूज़ पोतों को समायोजित करने के लिये विशेष क्रूज़ टर्मिनलों का निर्माण करेगा।
  - **जीर्णोद्धार और पुनर्चक्रण: पोत निर्माण के अतिरिक्त, भारत** पोत जीर्णोद्धार और पुनर्चक्रण मिशन शुरू करने की तैयारी कर रहा है।
    - **कोच्चि, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और वाडिनार (गुजरात) को प्रमुख जीर्णोद्धार केंद्र बनाने के लिये विकसित किया जाएगा।**
- **उत्कृष्टता केंद्र:** पोत निर्माण एवं जीर्णोद्धार में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की जाएगी ताकि इन क्षेत्रों में **नवाचार को संवर्द्धित किया जा सके।**
- **मुक्त व्यापार डिपो:** पोत जीर्णोद्धार के लिये **आयातित सामग्रियों पर सीमा शुल्क छूट** प्रदान करने के लिये शिपयार्डों में एक मुक्त व्यापार डिपो स्थापित किया जाएगा।

- **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री विवाद समाधान केंद्र (IIMDRC): IIMDRC को समुद्री विवादों को घरेलू स्तर पर सुलझाने** के लिये शुरू किया गया है, जिससे **दुबई और सिंगापुर** जैसे वैश्विक केंद्रों पर निर्भरता कम हो गई है। IIMDRC **योग्यता-आधारित और उद्योग-शासित समाधान प्रदान करता है,** जिससे भारत मध्यस्थता के लिये एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है।
- **घरेलू संरक्षण और क्षतिपूर्ति इकाई:** मंत्रालय **तटीय पोत परिवहन** और **अंतर्देशीय जलमार्गों** के लिये **तीसरे पक्ष के समुद्री बीमा प्रदान करने** के लिये एक घरेलू इकाई **इंडिया क्लब की स्थापना की संभावना तलाश रहा है। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों और दबावों के जोखिम को कम करना है। उदाहरण के लिये,** यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने रूसी पोत परिवहन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया।

भारत के समुद्री क्षेत्र में हाल की घटनाएँ क्या हैं?

- **पत्तन अवसंरचना:** भारत ने देशभर में बड़े पत्तनों के लिये **जो योजनाएँ बनाई हैं, उनमें** महाराष्ट्र के वधावन में हाल ही में 76,220 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पत्तन भी शामिल हैं।
  - वर्तमान में भारत द्वारा संचालित ट्रांसशिपमेंट **कार्गो को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के गैलेथिया खाड़ी** में एक मेगा पोर्ट का प्रस्ताव दिया गया है।
- **40 मिलियन TEU का लक्ष्य:** मंत्रालय का अनुमान है कि **भारत** में आगामी पांच वर्षों में **40 मिलियन TEU (बीस फुट समतुल्य यूनिट) तक पहुँच जाएगी।**
  - जवाहरलाल नेहरू पत्तन की परिचालन क्षमता वर्तमान में 6.6 मिलियन से बढ़कर **10 मिलियन तक पहुँच गई है,** जिससे यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला **भारत का प्रथम पत्तन** बन गया है।
- **हाइड्रोजन विनिर्माण केंद्र: हाइड्रोजन विनिर्माण केंद्र** स्थापित करने के लिये **दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण (DPA), कांडला** और **वीओ चिदंबरनार पत्तन न्यास (पूर्व में तूतीकोरिन पत्तन न्यास)** में कुल **3,900 एकड़ भूमि** आवंटित की गई है।
- **वैश्विक विस्तार: इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IPGL) ने श्रीलंका, म्याँमार और बांग्लादेश** में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पत्तनों पर टर्मिनलों के संचालन का अधिग्रहण किया।
  - इसके अतिरिक्त, भारत ने चाबहार पत्तन के लिये अपना अनुबंध स्वीकृत किया है।
- **व्यापार गलियारे:** प्रस्तावित 4,800 किलोमीटर लंबा **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)** भारतीय पत्तनों को **सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** जैसे देशों से जोड़ेगा और अंततः यूरोप तक विस्तारित होगा।
- **मैत्री प्लेटफॉर्म: मैत्री (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विनियामक अंतराफलक के लिये मास्टर एप्लिकेशन)** कई भारतीय क्रिय पोर्टलों को संयुक्त अरब अमीरात के साथ समेकित किया जाता है, जिससे सीमा पार व्यापार व्यवसाय सुव्यवस्थित होता है।
- इसे IMEC के **वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर (VTC)** के आधार के रूप में अभिकल्पित किया गया है, जो देश के बीच **व्यापार डेटा के** सुरक्षित और कुशल साझाकरण की सुविधा प्रदान करता है।

पोत निर्माण उद्योग से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **पोत निर्माण का परिचय:** पोत निर्माण से तात्पर्य परिवहन, रक्षा और व्यापार के लिये उपयोग किये जाने वाले पोतों के निर्माण, जीर्णोद्धार और संधारण से है।
  - **शिपयार्ड नामक विशेष सुविधाएँ बड़े पैमाने की परियोजनाओं और जटिल पोत समन्वायोजन प्रक्रियाओं को प्रबंधित करती हैं।**
- **वैश्विक पोत निर्माण बाज़ार अवलोकन:** वैश्विक पोत निर्माण बाज़ार का मूल्य **वर्ष 2023 में 207.15 बिलियन अमरीकी डॉलर** था और वर्ष 2024 में इसके 220.52 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है।
  - प्रमुख पोत निर्माण करने वाले देशों में **चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, भारत, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका** शामिल हैं।
  - **चीन, दक्षिण कोरिया और जापान** सामूहिक रूप से **85%** बाज़ार पर नियंत्रण रखते हैं।
- **पोत निर्माण बाज़ार में भारत की हिस्सेदारी:** वैश्विक पोत निर्माण बाज़ार में भारत की हिस्सेदारी **0.06%** है। पोत निर्माण निर्यात में **भारत 1.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ 12वें स्थान पर है,** जबकि **चीन 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात** के साथ सबसे आगे है।
- **भारत के पोत निर्माण बाज़ार में संवृद्धि:** वर्ष 2022 में, भारत के पोत निर्माण उद्योग का मूल्य **90 मिलियन अमेरिकी डॉलर था** और वर्ष **2033 तक 8,120 मिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुँचने का अनुमान है।
  - सरकारी समर्थन, **सामरिक अवस्थिति,** श्रम लागत लाभ के कारण भारतीय पोत निर्माण बाज़ार **वर्ष 2047 तक 237 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक मूल्य के अवसर खोल सकता है।
- **भारत की शीर्ष पोत निर्माण कंपनियाँ:**
  - **मझगांव डॉक लिमिटेड (MDL):** भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के लिये **युद्धपोतों** के निर्माण के लिये जाना जाता है।
  - **कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL):** CSL **अपतटीय पोतों, तेल टैंकरों, विमान वाहकों** में विशेषज्ञता रखता है। यह भारत का सबसे बड़ा पोत निर्माता और देश की सबसे बड़ी पोत जीर्णोद्धार सुविधा है।
  - **अडानी समूह की पहल:** वर्ष 2024 में, अडानी समूह ने 45,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ **गुजरात के मुंद्रा पत्तन** पर एक प्रमुख पोत निर्माण पहल की घोषणा की।
    - इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक पोत निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है तथा वर्ष **2047 तक 62 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बाज़ार** बनाना है।

मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 क्या है?

- **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 देश के समुद्री क्षेत्र को सुदृढ़ करने** के लिये शुरू की गई एक सामरिक पहल है।

- इसने पोत निर्माण और **पोत जीर्णोद्धार में भारत के वैश्विक श्रेणीक्रम को वर्ष 2030 तक 20वें स्थान** से **शीर्ष 10 में लाने** का साहसिक लक्ष्य रखा है तथा वर्ष **2047 तक शीर्ष पांच में स्थान प्राप्त करने** का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को प्रस्तुत किया है।
- **फरवरी 2023** तक, भारतीय पत्तनों पर क्षमता वृद्धि और विश्व स्तरीय अवसंरचना के विकास के लिये **1,00,000 से 1,25,000 करोड़ रुपये** के निवेश का अनुमान है।

//

निष्कर्ष

मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 द्वारा संचालित भारत के **पोत निर्माण मिशन का** लक्ष्य देश को **शीर्ष वैश्विक पोत निर्माण केंद्रों में स्थान दिलाना है।** सरकारी समर्थन, सामरिक निवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ, यह मिशन **भारत के समुद्री आधारिक संरचना को संवर्द्धित करेगा,** लाखों नौकरियों का सृजन करेगा और **वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा को सुदृढ़ करेगा। नवाचार और सतत् विकास पर इसका ध्यान भारत की आर्थिक और भू-राजनीतिक अवस्थिति को** महत्त्वपूर्ण रूप से संवर्द्धित करेगा।

??????? ?????? ???????:

प्रश्न: मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 के अंतर्गत भारत के पोत निर्माण मिशन की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-proposed-shipbuilding-mission